



भारत का गज़ेट The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—बाण 3—उप-बाण (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 472]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 23, 1992/शावण 1, 1914

No. 472] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 23, 1992/SRAVANA 1, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अस्तग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कृषि मंत्रालय
(पशु पालन और उन्नी विभाग)
आदेश
नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1992

का.आ. 540(थ्र) :—दुध और दुध-उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 20 के उपरैरा (2) में विनिर्दिष्ट बातों को व्याप में रखने हुए में यह नमामित हो गया है कि दिल्ली संघ राज्यक्षेत्र में तरल दुध के प्रदाय को बनाए रखने और उसमें अभिवृद्धि के लिये ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, यहाँ में, दुध और दुधउत्पाद- आदेश, 1992 के पैरा 27 के साथ पठित पैरा 20 के उपरैरा (1) द्वारा प्रदत्त नियतियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करता हूँ, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और आरंभ :—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम दिल्ली (दुध और दुध-उत्पाद) नियंत्रण आदेश, 1992 है।

(2) यह संगूण दिल्ली संघ राज्यक्षेत्र पर लाग होगा।

(3) यह राजभव में प्रकाशन की तारीख को प्रदूष होगा और 7 अगस्त, 1992 को प्रभावहीन हो जाएगा।

परन्तु इस आदेश की समाप्ति प्रक्रिया को ऐसी समाप्ति से पहले की गई या उससे भी थोड़े लंबा बात की बात उसके प्रवर्तन को प्रभावित नहीं करेगी।

2. परिभाषाएँ :—इस आदेश में, ऊपर नवर्णन से प्रथम अपेक्षित न हो,—

(क) “नियंत्रण प्रधिकारी” से आयुक्त, खाद्य, प्रदाय और उपभोक्ता मामले, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली अभियेत हैं और इसमें उपायुक्त, खाद्य, प्रदाय और उपभोक्ता मामले और सहायक आयुक्त खाद्य, प्रदाय और उपभोक्ता मामल, दिल्ली प्रशासन हैं;

(ब) "नियति" से संबंध राज्यक्षेत्र दिल्ली के भीतर किसी स्थान से उसके बाहर किसी स्थान को किसी भी रीति से ने जाना भाले जाने देना अभिप्रेत है।

(ग) "दुर्घट" से गाय, भैंस, भेड़, बकरी का दुर्घट या उसका कोई संमिश्रण अभिप्रेत है चाहे अपरिष्कृत हो या किसी भी रीति से प्रसंस्कृत हो और इसमें पास्तेरीकृत, निर्जिमित पुनः संयोजित सुरुचिकारित, अमिलकृत, मखनिया, टोनित, डबल टोनित, मानकीकृत या संपूर्ण कीम दुर्घट है।

(घ) दुर्घट-उत्पाद से निम्नलिखित अभिप्रेत हैः—

- (i) संपूर्ण दुर्घट चूर्ण;
- (ii) मखनिया दुर्घट चूर्ण;
- (iii) संधनित दुर्घट (मधुरित और अमधुरित)।

3. दुर्घट का दुर्घट-उत्पाद के रूप में संपर्कित और दुर्घट उत्पाद के विक्रय, पूर्ति या प्रदाय का प्रतिषेध तथा दूध के निर्यात पर पाबंदीः—(क) कोई व्यक्ति पैरा 2 के उपपैरा (1) में वर्णित किसी दुर्घट उत्पाद के विनिर्माण के लिये दुर्घट का उपयोग नहीं करेगा।

(ख) कोई व्यक्ति संबंध राज्यक्षेत्र दिल्ली से दुर्घट का नियात नहीं करेगा या नियात नहीं होने देगः

परन्तु इस बांड की कोई बात ऐसे दुर्घट-उत्पाद के विनिर्माण, विक्रय, पूर्ति या प्रदाय और दूध के नियात के लिये जो रक्षा बलों की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए नियंत्रण अधिकारी के आदेश द्वारा अनुमति करे, लागू नहीं होगी।

4. प्रवेश करने, तलाशी लेने, अभिग्रहण आदि की शक्तिः—(1) नियंत्रण अधिकारी या कोई भजिटेट या सहायक उप-निरीक्षक की पंक्ति में अन्यून का कोई पुलिस अधिकारी, खाली और प्रवाय विभाग, दिल्ली प्रशासन का कोई अधिकारी जो उप-निरीक्षक की पंक्ति से कम न हो और आयुक्त, खाली, प्रदाय और उपभोक्ता मामले, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली द्वारा विभेद रूप से या प्राधिकृत दिल्ली प्रशासन के किसी अन्य विभाग का कोई अधिकारी जो उप-निरीक्षक की पंक्ति से कम न हो, इस आवेदन का अनुपालन सुनिश्चित करने की दृष्टि से या अपना यह समाधान करने के लिये कि इस आवेदन का अनुपालन किया जा रहा है;—

(क) पैरा 2 के उपपैरा (1) में वर्णित दुर्घट के नियात या किसी दुर्घट पदार्थ के विनिर्माण के लिये प्रयुक्त या उपयोग के लिये आशयित किसी व्यक्ति, नौका, भोटर या अन्य यान या किसी वाहन या मशीनरी को रोक सकेगा और तलाशी जैसे करेगा;

(ख) किसी व्यक्ति से कोई जानकारी देने और दुर्घट और दुर्घट-उत्पाद से संबंधित मंजूबहारों को दर्शाने वालों नंबर त्रिहोंगे या अन्य इस्तावेजों को प्रस्तुत करने को व्येक्षा नहर सकेगा या ऐसी नेबाबहियों या दस्तावेजों को जो उसकी राय में इस आदेश के अधीन नियति कार्यवाही में सुन्मान होगी, अभिग्रहण कर सकेगा;

(ग) किसी स्थान पर या परिसर में किसी दुर्घट या दुर्घट उत्पाद के साथ-साथ उन पैरों, अविट्टकों, पात्रों या मशीनरी जिनमें दुर्घट या दुर्घट-उत्पाद पाये गये हैं या उसके साथ जिससे उन दुर्घट उत्पाद का विनिर्माण किया गया है या उन पशुओं, यानों जलयानों, नौकाओं या अन्य प्रवहनों को, जो दुर्घट या दुर्घट उत्पाद से जाने के लिये प्रयुक्त हुए हैं, का अभिग्रहण कर सकेगा और उसके पश्चात् उक्त अभिग्रहण किये गये पैरों, अविट्टकों पात्रों या मशीनरी का न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किये जाने और प्रस्तुत किये जाने के बाद दौरान उनकी सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करने के लिये सुपुर्दार वा माध्यम से या अन्यथा आवश्यक ममी उपाय करेगा।

(2) तलाशी और अभिग्रहण से संबंधित दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) को धारा 100 के उपबन्ध, यावतशक्य, इस दण्ड के अधीन तलाशी और अभिग्रहण को नागृ होगे।

5. नियंत्रण अधिकारी की शक्तिः—नियंत्रण अधिकारी एसा अंतरिम आदेश पारित कर सकता जो वह, दिल्ली संघ राज्यक्षेत्र में दुर्घट का प्रवाय बनाये रखने के लिये अभिग्रहण किये गये दुर्घट या दुर्घट उत्पाद के उपयोग के संबंध में आवश्यक समझे।

[का. सं. 9-1/92-डी पी]
डी.सी. मिश्रा, नियंत्रक

MINISTRY OF AGRICULTURE
(Department of Animal Husbandry and Dairying)
ORDER

New Delhi, the 23rd July, 1992

S.O. 540(E).—Whereas, having regard to the factors specified in sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Milk and Milk Product Order, 1992, I am satisfied that in order to maintain and increase the supply of liquid milk in the Union Territory of Delhi, it is necessary so to do;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 20, read with

paragraph 27, of the Milk and Milk Product Order 1992, I hereby make the following Order, namely :—

1. Short title, extent and commencement.—(1) This Order may be called the Delhi (Milk and Milk Product) Control Order, 1992.

(2) It shall extend to the whole of the Union Territory of Delhi.

(3) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette and shall cease to operate on 7th August, 1992 :

Provided that the expiry of this Order shall not affect the operation thereof in respect of things done or omitted to be done before such cessation of operation.

2. Definition.—In this order, unless the context otherwise requires,—

(a) "Controlling Officer" means Commissioner, Food, Supplies and Consumer Affairs, Delhi Administration, Delhi, and includes Deputy Commissioner, Food, Supplies and Consumer Affairs, and Assistant Commissioner, Food, Supplies and Consumer Affairs, Delhi Administration, Delhi;

(b) "Export" means to take or cause to be taken, by any means whatsoever, out of any place within the Union Territory of Delhi to any place outside it;

(c) "Milk" means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof, either raw or processed in any manner and includes pasteurised, sterilized, recombined, flavoured, acidified, skimmed, toned, double toned, standardised or full cream milk;

(d) "Milk Product" means :—

(i) Whole Milk Powder;

(ii) Skimmed Milk Powder;

(iii) Condensed Milk (Sweetened and unsweetened).

3. Prohibition on conversion of milk into milk product and sale, service or supply of milk product and ban on the export of milk.—(a) No person shall use milk for the manufacture of any milk product mentioned in sub-paragraph (d) of paragraph 2.

(b) No person shall export or cause to be exported milk from the Union Territory of Delhi :

Provided that nothing in this clause shall apply to use of milk for the manufacture, sale service or supply

of such milk product and export of milk as the Controlling Officer may, having regard to the needs of the Defence Forces, by an order, permit;

4. Power of entry, search, seizure etc.—(1) The Controlling Officer or any Magistrate or any Police Officer not below the rank of Assistant Sub-Inspector or any officer of the Food and Supplies Department, Delhi Administration, not below the rank of Sub-Inspector and any officer of any other Department of the Delhi Administration, not below the rank of Sub-Inspector specially authorised by the Commissioner, Food, Supplies and Consumer Affairs, Delhi Administration, Delhi may, with a view to securing compliance with this order or to satisfy himself that this order is being complied with,—

(a) stop and search any person or any boat, motor or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for export of milk or for manufacture of any milk product mentioned in sub-paragraph (d) of paragraph 2;

(b) require any person to give any information and to produce books of account or other documents showing transaction relating to milk or milk product and seize any such books of account or documents which in his opinion would be relevant to any proceedings under this order;

(c) seize any milk or milk product in any place of premises together with packages, coverings, receptacles or machinery in which milk or milk product are found or with which such milk product are manufactured, or the animals, vehicles, vessels, boats or other conveyances used in carrying milk or milk product and, thereafter take all measures necessary through a 'superdar' or otherwise for securing the production of the packages, coverings, receptacles or machinery so seized in court and for their safe custody pending such production.

(2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to searches and seizure under this clause.

5. Power of Controlling Officer.—The Controlling Officer may pass such ad interim order as he considers necessary regarding utilisation of milk or milk product seized to maintain the supply of milk in the Union Territory of Delhi.

[F. No. 9-1/92 DP]
D. C. MISRA, Controller

